

Dr. Sarita Devi
Assistant Professor
Department of Psychology
Maharaja College, Ara

सोशल मीडिया का प्रभाव (Social media influences)

आज के समय में सोशल मीडिया बच्चों और युवाओं के जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। स्मार्टफोन और इंटरनेट की आसान उपलब्धता ने इसे और अधिक सुलभ बना दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, ट्विटर, व्हाट्सएप और स्नैपचैट न केवल मनोरंजन और संवाद के साधन बन गए हैं, बल्कि यह शिक्षा, करियर और व्यक्तिगत विकास में भी योगदान दे सकते हैं। हालांकि, इसके अत्यधिक उपयोग से कई नकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिलते हैं।

सोशल मीडिया के सकारात्मक प्रभाव

1. शिक्षा और ज्ञानवर्धन

- सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर कई शैक्षिक चैनल और ऑनलाइन पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, जिनसे बच्चे और युवा नई चीजें सीख सकते हैं।

ऑनलाइन ट्यूटोरियल, वेबिनार और डिजिटल लाइब्रेरी तक आसान पहुंच से पढ़ाई को आसान बनाया जा सकता है।

2. रचनात्मकता और स्किल डेवलपमेंट

- बच्चे और युवा फोटोग्राफी, ग्राफिक डिजाइन, कंटेंट क्रिएशन, वीडियो एडिटिंग, डिजिटल मार्केटिंग जैसी नई स्किल्स सीख सकते हैं।
- सोशल मीडिया के माध्यम से वे अपने टैलेंट को प्रदर्शित कर सकते हैं, जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है।

3. नेटवर्किंग और वैश्विक संपर्क

- सोशल मीडिया लोगों को दुनिया भर के व्यक्तियों और समुदायों से जोड़ता है।
- युवा विभिन्न संस्कृतियों, विचारों और ट्रेंड्स से परिचित हो सकते हैं।
- प्रोफेशनल नेटवर्किंग साइट्स (जैसे LinkedIn) करियर के नए अवसर प्रदान करती हैं।



Edit with WPS Office

4. समाजसेवा और जागरूकता

- सोशल मीडिया के माध्यम से सामाजिक मुद्दों, पर्यावरण संरक्षण, मानसिक स्वास्थ्य और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता बढ़ाई जा सकती है।
- कई युवा ऑनलाइन अभियान और चैरिटी संगठनों से जुड़कर समाज सेवा में भाग लेते हैं।

5. करियर और व्यवसाय के अवसर

- सोशल मीडिया आज एक करियर प्लेटफार्म भी बन चुका है। यूट्यूब, इंस्टाग्राम, ब्लॉगिंग, फ्रीलांसिंग और डिजिटल मार्केटिंग के माध्यम से लोग आय अर्जित कर सकते हैं।
- कई कंपनियां अब सोशल मीडिया के माध्यम से रोजगार के अवसर भी प्रदान करती हैं।

सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभाव

1. मानसिक स्वास्थ्य पर असर

- लगातार ऑनलाइन रहने और लाइक्स, फॉलोअर्स तथा कमेंट्स पर निर्भरता से तनाव, चिंता और आत्मसम्मान की समस्या बढ़ सकती है।
- अन्य लोगों की शानदार जीवनशैली देखकर खुद को कमतर समझने का भाव उत्पन्न हो सकता है।

2. साइबर बुलिंग और उत्पीड़न

- सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग, साइबर बुलिंग, धमकियां और अपमानजनक टिप्पणियां बच्चों और युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती हैं।
- कई मामलों में साइबर बुलिंग के कारण अवसाद और आत्महत्या जैसे गंभीर परिणाम सामने आते हैं।

3. सोशल मीडिया की लत (Addiction)

- सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग डिजिटल एडिक्शन का कारण बन सकता है, जिससे पढ़ाई, नींद, पारिवारिक समय और व्यक्तिगत विकास प्रभावित होता है।
- स्क्रीन टाइम बढ़ने से शारीरिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।



4. गलत सूचना और अफवाहें

- सोशल मीडिया पर अफवाहें और फेक न्यूज़ तेजी से फैलती हैं, जिससे समाज में गलत धारणाएं उत्पन्न हो सकती हैं।
- युवा बिना तथ्यों की जांच किए गलत सूचनाओं को सच मान सकते हैं।

5. गोपनीयता और सुरक्षा का खतरा

- कई बार बच्चे और युवा सोशल मीडिया पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा कर देते हैं, जिससे साइबर अपराध का खतरा बढ़ जाता है।
- साइबर ठगी, हैकिंग, डेटा चोरी और ऑनलाइन शोषण जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं।

6. अस्वस्थ जीवनशैली और शारीरिक समस्याएं

- अधिक समय तक मोबाइल और कंप्यूटर स्क्रीन पर रहने से आंखों की समस्या, सिरदर्द और मोटापा जैसी शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं।
- वास्तविक सामाजिक संपर्क में कमी आने से अकेलापन और सामाजिक अलगाव की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

युवाओं और बच्चों को सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से बचाने के उपाय

1. समय प्रबंधन और अनुशासन

- सोशल मीडिया के उपयोग के लिए एक निर्धारित समय तय करें ताकि अन्य गतिविधियों में भी संतुलन बना रहे।
- स्क्रीन टाइम को सीमित करने के लिए डिजिटल वेलनेस एप्स का उपयोग करें।

2. साइबर सुरक्षा जागरूकता

- बच्चों और युवाओं को ऑनलाइन खतरों, साइबर बुलिंग, डेटा सुरक्षा और सुरक्षित ब्राउज़िंग के बारे में जानकारी दें।
- मजबूत पासवर्ड का उपयोग करें और दो-स्तरीय सुरक्षा (Two-Factor Authentication) अपनाएं।



3. अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका

- माता-पिता और शिक्षक बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखें और उनके साथ संवाद बनाए रखें।
- उन्हें सिखाएं कि अनजान लोगों से ऑनलाइन बातचीत न करें और अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से बचें।

4. सकारात्मक और शिक्षाप्रद कंटेंट को बढ़ावा दें

- बच्चों को सोशल मीडिया का उपयोग केवल मनोरंजन के लिए नहीं, बल्कि सीखने और आत्म-विकास के लिए करने के लिए प्रेरित करें।
- शैक्षिक प्लेटफार्म, प्रेरणादायक चैनल और उत्पादक गतिविधियों को प्रोत्साहित करें।

5. वास्तविक जीवन के सामाजिक संबंधों को बढ़ावा दें

- बच्चों और युवाओं को खेल, किताबें पढ़ने, योग, संगीत और अन्य रचनात्मक कार्यों में शामिल करने के लिए प्रेरित करें।
- परिवार और दोस्तों के साथ अधिक समय बिताने के लिए प्रोत्साहित करें।

निष्कर्ष

सोशल मीडिया बच्चों और युवाओं के लिए ज्ञान, मनोरंजन और करियर के नए अवसर प्रदान करता है, लेकिन इसके अनियंत्रित और अत्यधिक उपयोग से कई गंभीर दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं। संतुलित उपयोग, साइबर सुरक्षा जागरूकता और माता-पिता की सक्रिय भागीदारी से इसके नकारात्मक प्रभावों को कम किया जा सकता है। सही मार्गदर्शन और अनुशासन के साथ, सोशल मीडिया को एक सकारात्मक संसाधन के रूप में उपयोग किया जा सकता है।

"सोशल मीडिया एक औजार है – इसे सही तरीके से इस्तेमाल करें, वरना यह आपको नियंत्रित करने लगेगा!"

